शिक्षा मंत्रालय में उपमंत्री (श्री भक्त दर्शन) : (क) 234; उनमें से 153 स्नातक और अधिक योग्यता वाले हैं ।

(ख) 102.

आशुलिपिकों तथा राजपत्रित अधिकारियों की संख्या

1473. श्री विश्राम प्रसाद :
श्री काशीराम गुप्त :
श्री नरदेव स्नातक :
श्री मोहन स्वरूप :
श्री छ० म० केदरिया :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिसम्बर, 1948 में केन्द्रीय सचिवालय में राजपत्रित अधिकारियों तथा आशुलिपिकों की अलग अलग क्या संख्या थी; और

(ख) मार्च, 1966 में उनकी अलग अलग संख्या क्या थी ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) और (ख). जानकारी इकट्ठी की जा रही है और जितनी जल्दी हो सकेगा, सभा-पटल पर रख दी जावेगी ।

उर्वरकों पर व्यय

1474. श्री विश्राम प्रसाद : क्या पैट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले पांच वर्षों में कूड़ा खाद को छोड़ कर उर्वरक तैयार करने पर कितनी राशि खर्च की गई; और

(ख) चौथी पंचवर्षीय योजना में इसके लिये कितनी राशि नियत करने का विचार है ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री अलगेशन) : (क) पिछले पांच वर्षों में लगभग 148.45 करोड़ रुपये का पूंजीगत खर्च हुआ ।

(ख) उर्वरकों और कीटनाशकों के लिये 493 करोड़ रुपये ।

रूप से तेल का आयात

1475. श्री विश्राम प्रसाद : क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अब तक रूस से कितना तेल आयात किया गया है और क्या राज्यों के लिये कोई कोटा निर्धारित किया गया है;

(ख) यदि हां, तो प्रत्येक राज्य के लिये कितना कोटा निर्धारित किया गया है; और

(ग) क्या तेल का वितरण कार्य भी गैर-सरकारी फर्मों को सौंपा गया है ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री अलगेशन): (क) 1960 से लेकर सितम्बर, 1966 तक तेल पदार्थों का कुल आयात 40,01,578 मीटरी टन हुआ । विभिन्न राज्यों के लिए इन आयातों का कोई कोटा निर्धारित नहीं किया गया है ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) मैसर्ज हिन्दुस्तान आर्गनाइजरस प्राइवेट लि० जिसका भारतीय तेल निगम लि० के साथ कुछ मिट्टी के तेल खरीदने और वितरण के लिये एक करार है, और भारतीय तेल निगम के एजेन्ट रूसी तेल उत्पादों को बेचते हैं ।

शिक्षा मंत्रालय का पुनर्गठन

1476. श्री विश्राम प्रसाद :
श्री काशीराम गुप्त :
श्री नरदेव स्नातक :